

---

# Shri Ganesha Bhujangam 1

श्रीगणेशभुजङ्गम् १

## Document Information

---

Text title : Ganesha Bhujangam 1

File name : ganbhuj.itx

Category : ganesha, bhujanga, shankarAchArya

Location : doc\_ganesha

Author : Shankaracharya

Proofread by : Rocky Stars

Latest update : November 29, 1998, November 16, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 10, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीगणेशभुजङ्गम् १



रणत्क्षुद्रघण्टानिनादाभिरामं  
चलत्ताण्डवोद्दण्डवत्पद्मतालम् ।  
लसत्तुन्दिलाङ्गोपरिव्यालहारं  
गणाधीशमीशानसूनुं तमीडे ॥ १ ॥

ध्वनिध्वंसवीणालयोल्लासिवक्त्रं  
स्फुरच्छुण्डदण्डोल्लसद्वीजपूरम् ।  
गलद्दर्पसौगन्ध्यलोलालिमालं  
गणाधीशमीशानसूनुं तमीडे ॥ २ ॥

प्रकाशज्जपारक्तरत्नप्रसून-  
प्रवालप्रभातारुणज्योतिरेकम् ।  
प्रलम्बोदरं वक्रतुण्डैकदन्तं  
गणाधीशमीशानसूनुं तमीडे ॥ ३ ॥

विचित्रस्फुरद्रत्नमालाकिरीटं  
किरीटोल्लसच्चन्द्ररेखाविभूषम् ।  
विभूषैकभूशं भवध्वंसहेतुं  
गणाधीशमीशानसूनुं तमीडे ॥ ४ ॥

उदञ्चद्भुजावल्लरीदृश्यमूलो-  
च्चलद्भूलताविभ्रमभ्राजदक्षम् ।  
मरुत्सुन्दरीचामरैः सेव्यमानं  
गणाधीशमीशानसूनुं तमीडे ॥ ५ ॥

स्फुरन्निष्ठुरालोलपिङ्गाक्षितारं  
कृपाकोमलोदारलीलावतारम् ।  
कलाबिन्दुगं गीयते योगिवर्यै-  
र्गणाधीशमीशानसूनुं तमीडे ॥ ६ ॥

यमेकाक्षरं निर्मलं निर्विकल्पं  
गुणातीतमानन्दमाकारशून्यम् ।  
परं पारमोङ्कारमाग्रायगर्भं  
वदन्ति प्रगल्भं पुराणं तमीडे ॥ ७॥

चिदानन्दसान्द्राय शान्ताय तुभ्यं  
नमो विश्वकर्त्रे च हर्त्रे च तुभ्यम् ।  
नमोऽनन्तलीलाय कैवल्यभासे  
नमो विश्वबीज प्रसीदेशसूनो ॥ ८॥

इमं सुस्तवं प्रातरुत्थाय भक्त्या  
पठेद्यस्तु मर्त्यो लभेत्सर्वकामान् ।  
गणेशप्रसादेन सिध्यन्ति वाचो  
गणेशे विभौ दुर्लभं किं प्रसन्ने ॥ ९॥

इति श्रीमच्छङ्कराचार्यकृतं गणेशभुजङ्गप्रयातस्तोत्रं  
सम्पूर्णम् ॥

---

*Shri Ganesha Bhujangam 1*

pdf was typeset on May 10, 2025

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

